

MARKING SCHEME OF BSEH SAMPLE PAPER MARCH 2024

SUBJECT : PUBLIC ADMINISTRATION

CLASS : XII

SUBJECT CODE : 598

Q. NO	EXPECTED ANSWER /VALUE POINTS	MARKS
1	राष्ट्रपति	1
2	फिफनर	1
3	नई दिल्ली	1
4	राष्ट्रपति	1
5	5 वर्ष	1
6	राष्ट्रपति	1
7	उपर्युक्त सभी	1
8	उपर्युक्त सभी	1
9	सर्वोच्च न्यायालय	1
10	उपर्युक्त सभी	1
11	मंसूरी	1
12	राष्ट्रपति	1
13	सीधी भर्ती	1
14	मुख्यमंत्री	1
15	5 वर्ष	1
16	राजस्थान में 2अक्टूबर,1959.	1
17	संसद	1
18	A और R दोनों सही हैं ,किन्तु A की सही व्याख्या R है	1
19	A और R दोनों सही हैं ,किन्तु A की सही व्याख्या R है	1
20	A और R दोनों सही हैं ,किन्तु A की सही व्याख्या R है	1
21	वास्तविक कार्यपालिका वह है जो वास्तविक रूप में कार्यपालिका की शक्तियों का प्रयोग करती है। भारत में प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद और अमेरिका के राष्ट्रपति वास्तविक कार्यपालिका हैं ।	2
22	केन्द्रीय सरकार की दुर्बलता । केंद्र तथा इकाईयों में विवाद । प्रशासनिक एकरूपता का अभाव ।	1 1
23	1 .नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना । 2. संविधान की व्याख्या एवं रक्षा करना ।	1 1
24	संघात्मक विभाग भिन्न भिन्न प्रकार के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गठित किए जाते हैं ।ये विभाग कई उप विभागों में बटें होते हैं ,इसीलिए इन्हें बहु विभाग भी कहते हैं ।	2
25	1. लोक निगमों का ससे बड़ा गुण इसकी स्वायतता एवं लोचशीलता है । 2. निगम व्यवस्था में सरकार की केवल व्यापारिक एवं तकनीकी सेवाओं का उपयोग किया जाता है ।	1 1
26	सरचना के आधार पर दो भागों में विभाजित किया जाता सकता है :-	

	1.एकात्मक विभाग :- जो किसी एक निश्चित उद्देश्य की पूर्ति के लिए गठित किए जाते हैं ।	1
	2. संघात्मक विभाग :- जो भिन्न भिन्न प्रकार के उद्देश्यों के लिए गठित किए जाते हैं ।	1
27	1 . भर्ती, संगठन की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जिसके द्वारा संगठन हेतु योग्य उम्मीदवारों को आकृषित किया जाता है ।	1
	2. भर्ती की प्रक्रिया में योग्यता का निर्धारण प्रतियोगिता परीक्षाओं के द्वारा किया जाता है ।	1
28	भर्ती दो प्रकार की होती है - प्रत्यक्ष भर्ती तथा अप्रत्यक्ष भर्ती	2
29	पदोन्नति के योग्यता का सिधांत सिर्फ योग्यता ,प्रतिभावान तथा सक्षम उम्मीदवारों को पदोन्नत करने पर बल देता है ।यह सिधांत वरिष्टता के विपरीत है ।	2
30	1. भर्ती की पद्धतियों से संबंधित सभी मामलों में ।	1
	2. नियुक्ति ,पदोन्नति एवं स्थानान्तरण के सिधांत ।	1
	3. पेंशन संबंधित मामले में ।	1
	4. सेवा की हैशियत से सरकार के विरुद्ध किये गए सभी दावे ।	1
31	<b>पदच्युति :-</b> नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक को उसके पद से सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधोशों की तरह दो आधारों पर :- 1 प्रमाणित दुर्व्यवहार 2 अयोग्यता इन उपरोक्त आधारों का प्रस्ताव एक ही अधिवेशन में संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किया जाए और सदन द्वारा विशेष बहुमत से प्रस्ताव पास करना आवश्यक है । क्योंकि प्रस्ताव को प्रस्तुत करने की प्रक्रिया,निरीक्षण और दुर्व्यवहार का प्रमाण तथा अयोग्यता की प्रक्रिया संसद द्वारा निश्चित किया जाता है।	4
32	1. सरकार संसद के स्वीकृति के बिना कोई टैक्स नहीं लगा सकती ।	1
	2. वित् विधेयक पर संसद की स्वीकृति ली जाती है ।	
	3. संसद को वित्तीय प्रशासन संबंधी अनियमितता के बारे में जाँच-पड़ताल करने की शक्ति प्राप्त है ।	
	4. विनियोग विधेयक पर संसद कि स्वीकृत अनिवार्य है ।	1
	5. संसद कि स्वीकृति के बिना सरकार संचित निधि से तथा आकस्मिक निधि से धन नहीं निकल सकती ।	
	6. संसद की स्थायी समितियों द्वारा बजट पर नियन्त्रण रखा जाता है ।	1
	7. पूरक अनुदान ,अतिरिक्त अनुदान पुनरविनियोगअनुदान जैसी मांगों पर संसद की स्वीकृति आवश्यक है ।	1
	8. संसद नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के माध्यम से नियंत्रण रखती है ।	1
33	1. वह भारत का नागरिक हो ।	1
	2. वह किसी उच्च न्यायालय में कम से कम 5 वर्ष तक न्यायाधीश रह चुका हो ।	1
	3. वह किसी उच्च न्यायालय में कम से कम 10 वर्षों तक वकील रह चुका हो ।	1
	4. वह राष्ट्रपति कि दृष्टि में कोई प्रसिद्ध विधिवेता हो ।	1
34	1 प्रश्न पूछकर ।	4
	2 निगम को स्थापित करने वाले कानून में संशोधन कर के ।	
	3 निगम के संबंध में आधे घंटे की बहस की मांग कर के ।	
	4.किसी भी लोक निगमों से संबंधित मामलों पर प्रस्ताव पेश कर के तथा उस पर विचार	

	<p>करके ।</p> <p>5 निगम के लेखा प्रतिवेदनों पर वाद- विवाद करके ।</p> <p>6 किसी अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के विषय पर दो घंटे के वाद - विवाद की मांग करके ।</p> <p>7 संसदीय समितियों से प्राप्त प्रतिवेदनों पर बहस कर के ।</p> <p>8 निगमों के संबंध में उस समय हस्तक्षेप करके जब उन्हें धन की आवश्यकता पडती है ,और जो संसद की स्वीकृति के बिना उन्हें प्राप्त नहीं हो सकता ।</p>	
35	<p>1. <b>शक्तिशाली राज्य की स्थापना :-</b> संघ सरकार स्थापित होने से छोटे छोटे राज्यों को मिलाकर एक शक्तिशाली संघ राज्य कायम हो जाता है ।</p> <p>2. <b>सरकार में अधिक कार्यकुशलता :-</b>संघ सरकार में केंद्र राज्यों में शक्तियों तथा कार्य कक्षों का बटवारा हो जाने से सरकारों की प्रशासनिक दक्षता बढ़ जाती है ।</p> <p>3. <b>बड़े राज्यों के लिए उपयोगी :-</b>संघ सरकार अधिक जनसंख्या तथा विभिन्नता वाले राज्यों के लिए उपयुक्त है ।</p> <p>4. <b>अधिक लोकतन्त्रीय :-</b> इसमें लोकतंत्र की संस्थाएँ अधिक तथा प्रत्येक स्तर पर संगठित की जाती हैं ।</p>	1 1 1 1
36	<p>प्रधानमंत्री की शक्तियां और कार्य</p> <p><b>मंत्री परिषद के प्रधान के रूप में:-</b> वह मंत्रियों की नियुक्ति करता है ,मंत्रियों के मध्य विभागों का वितरण करता है, मंत्रिमंडल की बैठकों की अध्यक्षता करता है, मंत्रियों में एकता और सामंजस्य बनाए रखने का दायित्व उसी का है।</p> <p><b>प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के परामर्शदाता के रूप में:-</b></p> <p>प्रधानमंत्री का यह कर्तव्य है कि वह संघ शासन के प्रशासन संबंधी मंत्री परिषद के विभिन्न विनिश्चय और विधि निर्माण के प्रस्ताव के संदर्भ में राष्ट्रपति को सूचित करें प्रधानमंत्री के परामर्श पर ही राष्ट्रपति विभिन्न पदों पर नियुक्ति करता है और लोकसभा को भंग करता है ।</p> <p><b>प्रधानमंत्री लोकसभा के नेता के रूप में :-</b></p> <p>प्रधानमंत्री लोकसभा का नेता होने के कारण संसद को नेतृत्व प्रदान करता है। लोकसभा की गरिमा और प्रतिष्ठा को कायम रखने का दायित्व उसी का है । वह सदन में शासन का प्रमुख वक्ता होता है ।</p> <p><b>प्रधानमंत्री विदेश नीति के निर्माता के रूप में :-</b></p> <p>देश की विदेश नीति का मार्गदर्शन प्रधानमंत्री के द्वारा किया जाता है । विदेश के साथ संबंध स्थापित करना, शांति , व्यापारिक और सांस्कृतिक सन्धियाँ करना उसकी इच्छा अनुसार ही संभव है ।</p> <p><b>प्रधानमंत्री आर्थिक नीति निर्माता के रूप में :-</b></p> <p>भारत का प्रधानमंत्री योजना आयोग का पदेन अध्यक्ष होता है, अतः नियोजित विकास उसके मार्गदर्शन में होता है । बजट निर्माण में प्रधानमंत्री की निर्णायक भूमिका होती है राज्यों को वित्तीय सहायता देने संबंधी अंतिम निर्णयों के पीछे प्रधानमंत्री का ही परामर्श मुख्य होता है ।</p> <p><b>प्रधानमंत्री जनमत के नेता के रूप में :-</b></p> <p>प्रधानमंत्री केवल सतारूढ़ दल का ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जनमत का नेता होता है अतः जनमत के विश्वास, बहुमत और लोकप्रियता को अपने पक्ष में कर वह अत्यंत शक्तिशाली भूमिका का</p>	6



	<p>मिलकर उनकी सांझी ग्रामसभा की स्थापना की व्यवस्था है। ग्राम के सभी नागरिक जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक होती है, ग्राम सभा के सदस्य होते हैं। ग्राम सभा का अध्यक्ष सरपंच होता है, जिसका चुनाव ग्राम सभा के सदस्यों के द्वारा अपने में से ही प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली द्वारा किया जाता है। वह ग्राम सभा की वर्ष में दो बार बैठक बुलाता है। ग्राम सभा के अधिवेशनों के लिए गणपूर्ति कुल संख्या का 1/10 भाग निश्चित की गई है।</p> <p>ग्राम सभा के कार्य और शक्तियां</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. ग्राम सभा अपनी आमदनी के साधनों को ध्यान में रखते हुए वर्ष भर के लिए बजट पास करती है।</li> <li>2. ग्राम पंचायत अपने कार्यक्रमों को व्यावहारिक रूप देने के लिए कई प्रकार के टैक्स और शुल्क लगाने का प्रस्ताव करते हैं, जिसकी स्वीकृति ग्राम सभा से ली जाती है।</li> <li>3. ग्राम सभा के प्रधान, ग्राम पंचायत और न्याय पंचायत के सदस्यों का चुनाव करती है।</li> <li>4. ग्राम सभा अपने क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं तैयार करते जिन्हें ग्राम पंचायत कार्यरूप प्रदान करती है।</li> <li>5. ग्राम सभा का महत्वपूर्ण कार्य पंचायत द्वारा किए गए खर्च की जांच रिपोर्ट पर विचार करना है। ग्राम पंचायत एक वर्ष में जो खर्च करती है, उसका साल के अंत में ऑडिट होता है, जिसकी एक रिपोर्ट ग्राम सभा के पास भेज दी जाती है। ग्राम सभा दूसरी मीटिंग में उसे रिपोर्ट पर विचार करती है।</li> </ol>	4
38	<p><b>कार्यकुशलता में वृद्धि:-</b>प्रशिक्षण से व्यक्ति में कार्य को ठीक प्रकार से करने की कला का ही ज्ञान नहीं होता, बल्कि इससे उसमें कुशलता का भी अधिक से अधिक विकास होता है। यह विकास सहज रूप से कार्य कुशलता की वृद्धि का संकेत देता है।</p> <p><b>उत्तरदायित्व का विकास :-</b> लोक सेवाओं में प्रशिक्षण एक ऐसी भावना को परिलक्षित करता है जिसके द्वारा लोक सेवक के मन में स्पष्ट रूप से सजग उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है।</p> <p><b>कार्य करने की कला का ज्ञान :-</b>प्रशिक्षण का उद्देश्य सही रूप से एक प्रकार के कार्य को करने की जिज्ञासा और मनोवृत्ति को सबल बनाता है। प्रशिक्षण उस कला को सिखाने तथा ग्रहण करने के अवसर देता है जिससे किसी कार्य को पूर्ण करने का अवसर प्राप्त होता है।</p> <p><b>वैज्ञानिक ज्ञान बढ़ाना :-</b> इसका अभिप्राय यह है कि कार्य जिस प्रक्रिया से में संपन्न होना चाहिए, उसमें किसी प्रकार का भी विरोध या गतिरोध उत्पन्न नहीं होना चाहिए। वह प्रक्रिया सम्बन्धित ज्ञान उसमें वैज्ञानिक प्रतिभा का विकास करता है, जिससे कि हर वस्तु और विषय के विश्लेषण की सहज भावना संजीव होती है।</p> <p><b>लचीलापन विकसित करना :-</b>विभिन्न सरकारी विभागों की नीति और कार्यक्रमों में समय-समय पर परिवर्तन होते रहते हैं, अतः प्रशिक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों में ऐसा लचीलापन विकसित करना है।</p> <p><b>लोक सेवकों का निर्माण :-</b>प्रशिक्षण का सबसे प्रमुख उद्देश्य ऐसे लोक सेवकों का निर्माण करना जो प्रशासन के कार्य में सुस्पष्ट ला सके।</p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p><b>अनुभव द्वारा प्रशिक्षण :-</b> जब कोई कर्मचारी अपने कार्य से अनुभव के द्वारा कुछ सीखता है तो उसे अनुभव पर आधारित प्रशिक्षण कहते हैं। इस तरह वे अपने काम के अनुभव से कुछ सीखते</p>	6

<p>रहते हैं। समय बीतने के साथ-साथ व्यक्ति प्रशासन की तकनीकें सीखता रहता और अपने कार्य शैली में सुधार करता रहता है।</p> <p><b>सम्मेलन द्वारा प्रशिक्षण</b> :- प्रशिक्षण की यह पद्धति बहुत प्रचलित है। विभागों से चुने हुए प्रशिक्षणार्थियों का गुप सम्मेलन में विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करता है प्रशिक्षणार्थी आपस में एक दूसरे से विचारों व अनुभव से कुछ सीखते हैं।</p> <p><b>संचार द्वारा प्रशिक्षण</b> :- प्रशिक्षण की इस विधि में कर्मचारियों को उनके विभाग के नियमों के बारे में बताया जाता है। विभाग का अध्यक्ष कर्मचारी को उनके कर्तव्यों, उत्तरदायित्वों, अधिकारों के बारे में सूचना भेजता है।</p> <p><b>दृश्य श्रव्य साधनों के प्रयोग</b> :- प्रशिक्षण की इस पद्धति के द्वारा कर्मचारियों को तस्वीर, चलचित्र, दूरदर्शन, रेडियो, टेप रिकॉर्डर तथा वीडियो के द्वारा उनके कार्य से संबंधित अनेक प्रकार का सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान कराया जाता है। वीडियो फिल्म के द्वारा प्रशिक्षण आजकल अत्यधिक लोकप्रिय हो रहा है।</p> <p><b>औपचारिक साधनों द्वारा प्रशिक्षण</b> :- प्रशिक्षण की पद्धति में प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षणार्थियों को व्याख्यान देते हैं। औपचारिक प्रशिक्षण के समय पर प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यक लिखित अनुदेश, सूचना, नियमावली आदि दिए जाते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण में फिल्में, दृश्य श्रव्य उपकरणों तथा कंप्यूटरों का उपयोग किया जाता है।</p>	
--	--

MARKING SCHEME OF BSEH SAMPLE PAPER MARCH 2024

SUBJECT : PUBLIC ADMINISTRATION

CLASS : XII

SUBJECT CODE : 598

Q.NO	EXPECTED ANSWER/VALUE POINTS	MARKS
1	President	1
2	Pfiffner	1
3	New Dehli	1
4	President	1
5	5 Years	1
6	President	1
7	All the above	1
8	All the above	1
9	Supreme Court	1
10	All the above	1
11	Mussoorie	1
12	President	1
13	Direct Recruitment	1
14	Chief Minister	1
15	5 years	1
16	Rajasthan	1
17	Parliament	1
18	Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)	1
19	Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)	1
20	Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)	1
21	The real executive is that which actually exercises the powers of the executive. In India, the Prime Minister and the Council of Ministers and the President of America are the real executive.	2
22	1.Weakness of the Central Government. 2.Disputes between the Center and States . 3. Lack of administrative uniformity.	2
23	1.To protect the fundamental rights of citizens . 2. Interpreting and defending the Constitution.	2
24	Federal departments are formed to fulfill different types of objectives. These departments are divided into many sub-departments, that is why they are also called multiple departments.	2
25	1. The biggest quality of public corporations is its autonomy and flexibility. 2. Only business and technical services of the government are used in the corporate system.	2
26	On the basis of structure it can be divided into two parts: -	2

	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Unitary departments:- Which are formed to fulfill a specific purpose.</li> <li>2. Federal departments:- Which are formed for different purposes.</li> </ol>	
27	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Recruitment is an important process of the organization by which qualified candidates are attracted to the organization.</li> <li>2. In the recruitment process, eligibility is determined through competitive examinations.</li> </ol>	2
28	There are two types of recruitment – direct recruitment and indirect recruitment.	2
29	The merit principle of promotion emphasizes on promoting only meritorious, talented and capable candidates. This principle is the opposite of seniority.	2
30	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. In all matters related to methods of recruitment.</li> <li>2. Principles of appointment, promotion and transfer.</li> <li>3. In matters related to pension.</li> <li>4. All claims made against the Government in the capacity of service.</li> </ol>	4
31	<p><b>Removal:</b> - The Comptroller and Auditor General is removed from his post on two grounds like the Supreme Court judgments: - 1 Proven misbehavior 2 Disqualification. The proposal should be presented in both the Houses of the Parliament in the same session and it is necessary for the House to pass the proposal by a special majority. Because the process of presenting the proposal, inspection and proof of misconduct and the process of disqualification is decided by the Parliament. .The process of dismissal appears to be extremely complex.</p>	4
32	<p><b>Parliament controls the budget in the following ways –</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. The government cannot impose any tax without the approval of the Parliament.</li> <li>2. The approval of the Parliament is taken on the Finance Bill.</li> <li>3. Parliament has the power to investigate irregularities related to financial administration. Power is available .</li> <li>4. Parliament's approval is mandatory on the Appropriation Bill.</li> <li>5. Without the approval of Parliament, the government cannot withdraw money from the Consolidated Fund and the Contingency Fund.</li> <li>6. The budget is controlled by the standing committees of Parliament.</li> <li>7. Supplementary grants, Parliament's approval is necessary on demands like additional grant, re-appropriation, grant.</li> <li>8. Parliament exercises control through the report of the Comptroller and Auditor.</li> </ol>	4
33	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. He should be a citizen of India.</li> <li>2. He must have been a judge in a High Court for at least 5 years.</li> <li>3. He must have been an advocate in a High Court for at least 10 years.</li> <li>4. He should be a famous jurist in the eyes of the President.</li> </ol>	4
34	<p><b>In India, Parliament exercises control over the corporations in the following ways –</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. By asking questions.</li> <li>2. By amending the law establishing the corporation.</li> </ol>	4

	<p>3. By demanding a half-hour debate regarding the corporation.</p> <p>4. Related to any public corporations By presenting proposals on matters and considering them .</p> <p>5. By debating the accounting reports of the corporation.</p> <p>6. By demanding a two-hour debate on any subject of urgent public importance</p> <p>7. By debating the reports received from parliamentary committees.</p> <p>8. By interfering with the corporations when they require money, which they cannot get without the approval of Parliament.</p>	
35	<p>1. <b>Establishment of a powerful state:-</b> With the establishment of the Union Government, a powerful Union State is established by merging small states.</p> <p>2. <b>More efficiency in government:-</b> Due to division of powers and work areas among the central and states in the Union Government, the administrative efficiency of the governments increases.</p> <p>3. <b>Useful for big states:-</b> Union government is suitable for states with high population and diversity.</p> <p>4. <b>More democratic:-</b> In this, institutions of democracy are more organized at every level.</p>	4
36	<p><b>Powers and functions of the Prime Minister</b></p> <p><b>As the head of the Council of Ministers:</b> - He appoints the ministers, distributes the portfolios among the ministers, presides over the cabinet meetings, it is his responsibility to maintain unity and harmony among the ministers.</p> <p><b>Prime Minister As advisor to the President:</b> It is the duty of the Prime Minister to inform the President regarding various decisions of the Council of Ministers and proposals for law making related to the administration of the Union Government. The President makes appointments to various posts only on the advice of the Prime Minister and Dissolves the Lok Sabha.</p> <p><b>Prime Minister as the leader of the Lok Sabha:</b> The Prime Minister, being the leader of the Lok Sabha, provides leadership to the Parliament. It is his responsibility to maintain the dignity and prestige of the Lok Sabha. He is the main speaker of governance in the House.</p> <p><b>Prime Minister as the maker of foreign policy:</b> The foreign policy of the country is guided by the Prime Minister. Establishing relations with foreign countries, making peace, trade and cultural treaties is possible only as per his wish.</p> <p><b>Prime Minister as economic policy maker :-</b> The Prime Minister of India is the ex-officio Chairman of the Planning Commission, hence the planned development takes place under his guidance. The Prime Minister has a decisive role in budget making. The Prime Minister's advice is the main factor behind the final decisions regarding providing financial assistance to the states.</p> <p><b>Prime Minister as the leader of public opinion:</b> The Prime Minister is not only the leader of the ruling party but also of the entire public opinion, hence by getting the confidence, majority and popularity of public opinion in his favor, he plays a very powerful role.</p> <p style="text-align: center;">Or</p> <p><b>Policy formulation:-</b> The work of the Council of Ministers is to solve the socio-economic, political and other problems of the nation, determine the national policy and develop the country.</p>	6

	<p><b>Establishing relations with foreign countries:-</b> The Cabinet itself establishes relations with other countries according to its foreign policy. and makes treaties and agreements with other countries. Decisions regarding declaration of war and peace are made by the Council of Ministers.</p> <p><b>Legislative powers;</b> - The Cabinet also has legislative powers. Most of the bills in the Parliament are introduced by the Council of Ministers. and laws are made as per his wish.</p> <p><b>Financial Powers:-</b> First of all, the decision about the budget is taken in the Cabinet and in the Parliament, only the Minister presents the budget and other money bills and proposes new taxes, reduction or increase in old taxes or Proposals to abolish them, etc. bills are decided by the Council of Ministers.</p> <p><b>Appointments:</b> - Major appointments made in the country like Governor, Judge, Ambassador, various chairpersons and members, Election Commissioner etc. are made by the President only as per the advice of the Cabinet.</p> <p><b>Decision of crisis situation:</b> - Only the Cabinet decides whether a crisis situation is likely to arise or has already arisen. Thus, in practice, the President's crisis powers are also used by the Cabinet only.</p>	
37	<p><b>The importance of Panchayati Raj becomes clear from the following things: -</b></p> <p><b>People's self-governance:</b> - Every adult citizen of the village, being a member of the Gram Sabha, participates in the elections of the Gram Panchayat. The Gram Panchayat is responsible for administrative, social welfare, development and Panchayat does all the work related to justice. In this way, in reality, we rule ourselves and there is no better government than our own rule.</p> <p><b>Knowledge of rights and duties:</b> - With the establishment of Panchayati Raj, the villagers know about their duties and rights. They are much more conscious than before and now take interest in village development and election related matters by participating in village Gram Sabha meetings.</p> <p><b>Education of Administration:-</b> Panchayati Raj is the best means of imparting education of administration to the uneducated and less educated people of the village. Panchayati Raj also gives an opportunity to the village people to make rules, implement them, make and implement development plans and administer justice.</p> <p><b>Development of agriculture and economic progress:</b> - With the establishment of Panchayati Raj, there has been a lot of development of agriculture in the villages. The institutions of Panchayati Raj provide good quality seeds to the farmers with the help of government officials and employees, scientific agriculture and latest agricultural equipment. Keeps giving information about. All this has become possible as a result of Panchayati Raj.</p> <p style="text-align: center;">Or</p> <p><b>Formation:-</b> Gram Sabha is established in every village of Haryana whose population is 500 or more. For this purpose, there is a provision for villages with population less than this to establish a joint Gram Sabha with any adjacent village. All citizens above 18 years of age are members of the Gram Sabha. The President of the Gram Sabha is the Sarpanch, who is elected by the members of the Gram Sabha from among themselves through the direct election system. He is the head of the Gram Sabha. Convenes meetings twice a year. The quorum for the meetings of the Gram Sabha has been fixed at 1/10 of the total number.</p> <p><b>Functions and powers of the Gram Sabha</b></p>	6

	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. The Gram Sabha prepares and passes the budget for the whole year keeping in mind its sources of income.</li> <li>2. Gram Panchayats propose to impose various types of taxes and fees to give practical shape to their programs, the approval of which is taken from the Gram Sabha.</li> <li>3. Elects the head of Gram Sabha, members of Gram Panchayat and Nyaya Panchayat.</li> <li>4. Village Gram Sabha prepares various types of plans for the development of its area, which are implemented by the Gram Panchayat.</li> <li>5. An important function of the Gram Sabha is to consider the investigation report of the expenditure incurred by the Panchayat. The expenditure incurred by the Gram Panchayat in a year is audited at the end of the year, a report of which is sent to the Gram Sabha. The Assembly considers the report to it at another meeting.</li> </ol>	
38	<p><b>Increase in work efficiency:-</b> Training not only gives a person the knowledge of the art of doing the work properly, but it also increases his efficiency. This development naturally indicates the increase in work efficiency.</p> <p><b>Development of Responsibility:-</b> Training in public services reflects a feeling by which a clear sense of conscious responsibility is developed in the mind of the public servant.</p> <p><b>Knowledge of the art of working:-</b> The objective of training is precisely to develop a kind of Strengthens the curiosity and attitude to do the work. Training gives opportunities to teach and acquire the art which gives an opportunity to complete a work.</p> <p><b>To increase scientific knowledge:</b> - It means that the process by which the work is accomplished. There should not be any kind of opposition or deadlock in it. The knowledge related to that process develops scientific talent in him, due to which the innate feeling of analysis of every object and subject comes alive.</p> <p><b>To develop flexibility:-</b> There are changes in the policies and programs of various government departments from time to time, hence the objective of training is to develop such flexibility among the employees.</p> <p><b>To develop public servants;-</b>The most important objective of training is to develop such public servants Which can bring clarity in the work of administration.</p> <p style="text-align: center;">Or</p> <p><b>Training by Experience:-</b> When an employee learns something from his work through experience, it is called experience based training. In this way he keeps learning something from his work experience. As time passes, the person keeps learning the techniques of administration. And keeps improving his working style.</p> <p><b>Training through conference;</b> - This method of training is very popular. A group of trainees selected from departments discuss various problems in the conference. Trainees learn something from each other through ideas and experience. I</p> <p><b>Training through communication:</b> - In this method of training, employees are told about the rules of their department. The head of the department sends information to the employees about their duties, responsibilities, rights.</p> <p><b>Use of audio-visual aids:</b> - For training Through this method, employees are given various types of theoretical and practical knowledge related to their work through photographs, films, television, radio, tape recorder and video. Training through video films is becoming very popular now a days.</p>	6

	<p><b>Training through formal means</b> :- In the method of training, senior officials of the administration and subject experts give lectures to the trainees. At the time of formal training, necessary written instructions, information, manuals etc. are given to the trainees. In this type of training, films, audio-visual equipments and computers are used.</p>	
--	---	--